**E -100 Marks**
**Batch – 2020-21 / 2021-22/2022-23**

# टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

## एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

**परीक्षा : मई – २०२३**

**सत्र – १**

**विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – १) (HC - 102)**

---

**दि.: २९/०५/२०२३** **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

---

**सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**

**२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।**

---

**प्र. १** उपन्यास सम्राट प्रेमचंद जी ने अपने युग के समाज का चित्रण अपने उपन्यासों किस तरह किया है ?

**प्र. २** 'गोदान' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ३** ' 'गोदान' प्रेमचंद जी की श्रेष्ठ साहित्य कलाकृति है' स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ४** होरी और धनिया के जीवन संघर्ष को स्पष्ट कीजिए ।

**प्र. ५** 'गोदान' में चित्रित समस्याओं को सोदाहरण विशद कीजिए ।

**प्र. ६** 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु पर संक्षेप में प्रकाश डालिए ।

**प्र. ७** 'गबन' उपन्यास के आधार पर जालपा और जोहरा के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

**प्र. ८** 'गबन' उपन्यास में चित्रित समस्याओं को रेखांकित कीजिए ।

**प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) हम को कुल प्रतिष्ठा इतनी प्यारी नहीं है महाराज, कि उसके पीछे एक जीव की हत्या कर डालते ।

२) देखो, अपना समझकर मेरे पास आग लेने आया ।

३) इस स्नेह में उसके वंचित हृदय ने पति प्रेम और पुत्र स्नेह दोनों ही पा लिया ।

४) पुरुष मन का हो तो स्त्री उसके साथ उपवास करके भी प्रसन्न रहेगी ।

**प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) गोबरधन

२) 'गोदान' उपन्यास में आम आदमी

३) 'गबन' उपन्यास की समस्या का स्वरूप

४) देवीदीन

---